प्रेस–विज्ञप्ति

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा दिनांक 26 जून, 2024 से दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 के अंत तक कुल 22 परीक्षाएँ शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त आयोजित करायी गयी। इन परीक्षाओं के संबंध में किसी भी तरह की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

इन परीक्षाओं के लिए करीब 1144000 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। ये सभी परीक्षा मल्टीसेट प्रश्न–पत्रों से आयोजित की गई थी। उक्त परीक्षाओं में कुल 66 सेट प्रश्न–पत्रों का प्रयोग किया गया था, जिसमें कुल 6365 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गये थे। इन प्रश्नों के सम्बन्ध में किसी स्तर से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है कि इनमें से एक भी प्रश्न किसी कोचिंग संस्थान के मॉडल प्रश्न–पत्रों से लिया गया था।

आयोग द्वारा 26 जून 2024 से अद्यतन अवधि में विभिन्न विज्ञापनों के तहत कुल 1715 उम्मीदवारों का साक्षात्कार आयोजित कर 621 उम्मीदवार को सफल घोषित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त कुल 3417 उम्मीदवारों का साक्षात्कार सम्पन्न हो चुका है, जिनका अन्तिम परीक्षाफल घोषित किया जाना है। इसके साथ ही आयोग द्वारा एकल परीक्षा के आधार पर कुल 97386 अभ्यर्थियों का अन्तिम परीक्षाफल घोषित किया जा चुका है।

दिनांक 13.12.2024 को आयोजित एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा॰) प्रतियोगिता परीक्षा के संबंध में भी 10 दिनों तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी कि इनमें से कुछ प्रश्न किसी कोचिंग संस्थान के मॉडल प्रश्न–पत्र से ली गई है। कुछ अवांछित तत्त्वों द्वारा यह अफवाह फैलाई जा रही है कि उक्त परीक्षा के प्रश्न–पत्र में कुछ प्रश्न किसी कोचिंग संस्थान के मॉडल प्रश्न–पत्र से ली गई है। यह पूरी तरह अभ्यर्थियों को दिग्भ्रमित कर भड़काने की सोची–समझी साज़िश है।

माह मार्च, 2024 में TRE-3.0 की परीक्षा का प्रश्न–पत्र कथित रूप से लीक होने की सूचना के बाद आयोग ने परीक्षा संचालन में कई सुधार किये हैं, जिसके परिणामस्वरूप आयोग द्वारा 26 जून से नवम्बर, 2024 के अंत तक आयोजित की गयी परीक्षाओं में बिहार सहित देश के अन्य राज्यों के लाखों अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिसका सफलतापूर्वक संचालन आयोग स्तर से किया गया। आयोग के इन्हीं पारदर्शी कार्यप्राणी पर भी कुछ अवांछित तत्त्वों द्वारा चंद उपद्रवी छात्र एवं कुछ कोचिंग संस्थानों के स्वार्थसाधकों के साथ मिली–भगत कर आयोग की परीक्षा व्यवस्था पर बिना किसी तथ्य के विवाद खड़े कर प्रश्न चिह्न लगाने और एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा॰) प्रतियोगिता परीक्षा को पूरे राज्य में पुनः कराने की अतार्किक माँग की जा रही है।

आयोग की पूर्ण–पीठ ने पूर्व में भी यह स्पष्ट कर दिया था कि एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा॰) प्रतियोगिता परीक्षा का प्रश्न–पत्र लीक होने की अफवाह इन्हीं तत्त्वों ने षडयंत्र के तहत चलाया है। वायरल हुए सोशल मीडिया क्लिप्स एवं जिला प्रशासन, पटना के प्रतिवेदन से यह स्पष्ट है कि दिनांक 13.12.2024 को परीक्षा के दिन लगभग 1:00 बजे से 1:15 बजे अपराह्न तक बापू परीक्षा परिसर, जो बिहार विद्यालय परीक्षा समीति को प्रशासनिक नियंत्रण में है, के कई परीक्षा कक्ष में भी परीक्षार्थी शांतिपूर्ण रूप से परीक्षा दे रहे थे। अचानक कुछ उपद्रवी तत्त्वों

ने दूसरे कक्ष में प्रवेश कर परीक्षार्थियों के OMR शीट को हवा में उछाल दिया, फाड़ दिया और परीक्षार्थियों में परीक्षा रद्द होने की भ्रांति फैलाते हुए परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए परीक्षार्थियों को उकसाया। इसके बावजूद भी करीब 5200 परीक्षार्थियों ने उक्त परीक्षा केन्द्र में अपनी परीक्षा पूर्ण करते हुये उत्तर–पुस्तिका जमा किया।

आयोग बिहार विद्यालय परीक्षा समिति या जिला प्रशासन के क्षेत्राधिकार में हस्तक्षेप नहीं करता है। बापू परीक्षा परिसर केन्द्र पूर्ण रूप से बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के प्रशासनिक नियंत्रण में है और उस केन्द्र पर सभी प्रशासनिक एवम् Logistic व्यवस्था यथा; केन्द्राधीक्षक, सहायक केन्द्राधीक्षक, 400 से अधिक वीक्षक, आवश्यक मजदूर एवम् अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति भी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा ही गयी थी। उक्त केन्द्र पर CCTV कैमरे भी BSEB द्वारा लगाये गये हैं। आयोग द्वारा एक भी CCTV कैमरा उस केन्द्र पर नहीं लगाया गया था।

कानून एवम् व्यवस्था को स्थिर बनाये रखने हेतु आवश्यक दण्डाधिकारी एवम् आरक्षी बल की प्रतिनियुक्ति जिला प्रशासन द्वारा की जाती है। परीक्षा के दौरान भी परीक्षाकेन्द्र पर आयोग का कोई कर्मचारी/पदाधिकारी प्रतिनियुक्त नहीं किया गया था। आयोग द्वारा दिनांक 13.12.2024 की परीक्षा के दौरान उक्त केन्द्र पर हुयी घटनाओं की विस्तृत जाँच कर जिला पदाधिकारी, पटना से जाँच प्रतिवेदन की माँग की गयी है।

जिला प्रशासन, पटना के प्रतिवेदन से यह स्पष्ट है कि कुछ कक्षों में उपद्रवियों ने साजिशपूर्वक प्रश्न–पत्र का लिफाफा, जो उनके सामने काटा गया था, को कटा हुआ कहते हुए वीक्षक के हाथ से छीन लिया, न सिर्फ छीना बल्कि सारे प्रश्न–पत्रों के ऐसे लिफाफे को परिसर से बाहर और अन्य कक्षों में ले जाकर परीक्षा रद्द होने की भ्रांति भी फैलाई। उसी प्रश्न–पत्र के सम्बन्ध में परीक्षा प्रारम्भ होने के करीब एक घंटे बाद सोशल मीडिया में वायरल होने की बात कही।

आयोग की पूर्ण–पीठ में बिहार के मेहनती युवा अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बापू परीक्षा परिसर केन्द्र की परीक्षा को पुनः आयोजित कराने का निर्णय लिया गया। चंद उपद्रवी तत्त्वों के कारण इस परीक्षा में शामिल तीन लाख चौबीस हजार दो सौ अंठानवे से अधिक युवाओं के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता है।

सभी एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा॰) प्रतियोगिता परीक्षा के अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे संभावित माह अप्रैल, 2025 में होने वाली मुख्य परीक्षा की तैयारी करें। साथ ही बापू परीक्षा परिसर के वे अभ्यर्थी जो दिनांक 04 जनवरी, 2025 को पुनर्परीक्षा में शामिल होंगे वे प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी करें। बिना किसी तथ्य के भ्रांति फैलाने और आधारहीन सूचनाओं के आधार पर विवाद फैलाकर कथित रूप से आंदोलन कर रहे हैं वैसे तत्त्वों के बहकावे में नहीं आयें। जिला पुलिस, पटना पूरी घटनाक्रम के षड्यंत्रकर्ताओं के विरूद्ध जाँच कर रही है। जांचोपरांत ऐसे तत्त्वों के विरूद्ध परीक्षा कदाचार (निवारण) अधिनियम 2024, आई॰ टी॰ ऐक्ट, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता इत्यादि के सुसंगत प्रावधानों के तहत त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जायेगी।

21/12/24

परीक्षा नियंत्रक
बिहार लोक सेवा आयोग, पटना।